इंटरनेट का करना होगा सकारात्मक उपयोग

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने यूटीयू में एआइ एवं रोबोटिक्स लैब का उद्घाटन किया

जागरण संवाददाता, देहरादूनः राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि वर्तमान में डिजिटल हस्तक्षेप अब शासन-प्रशासन, शिक्षा, वित्त प्रबंधन और छात्र सेवाओं के हर पहलू में आवश्यक हो गया है। आज ज्ञान साझा करने, अपडेट करने और छात्र-छात्राओं की समझ को संवर्धित करने में, इंटरनेट, स्मार्टफोन, लैपटाप की अधिक पहुंच का सकारात्मक उपयोग करना होगा। यह बातें उन्होंने बुधवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) परिसर में एआइ हब, रोबोटिक्स लैब व इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी) लैब के उद्घाटन के अवसर पर कहीं।

बुधवार को कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में हम ऐसे युग में जी रहे हैं जिसे चौथी औद्योगिक क्रांति कहा जा रहा है। इस क्रांति की आधारशिला एआइ, क्वांटम कंप्यूटिंग, इंटरनेट आफ थिंग्स और रोबोटिक्स जैसे नवाचारों पर टिकी है। ये न केवल हमारे दैनिक जीवन को बदल रहे हैं, बल्कि भारत को विश्व पटल पर एक वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एआइ अब स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर कृषि, शिक्षा और रक्षा तक, सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है।

भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया इंडिया एआइ मिशन देश में एआइ स्टार्टअप को बढ़ावा दे रहा है। उत्तराखंड जैसे राज्य में एआइ का उपयोग आपदा प्रबंधन, पर्वतीय कृषि और स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा कि यह अत्यंत आवश्यक है कि आप इन तकनीकों के सिर्फ उपभोक्ता न बनें, बल्कि इनके निर्माता और नवाचारकर्ता बनें। भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आपका योगदान निर्णायक होगा।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में आयोजित हैकाथान में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल व यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह छात्रों ने नवाचार का अवलोकन करते हुए • सौजन्य आयोजक

डीप शिवा नाम से चैटबाट बनने पर पांच लाख का इनाम

राज्यपाल ने ओपन सोर्स व ओपन एआइ से आप देश की सहायता के लिए डीप शिवा नाम से एक चैटबाट, जो डीप सीक से 108 गुणा बेहतर हो, इसे बनाने की चुनौती विवि को दी। इस कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में पांच लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार तीन लाख रुपये और तृतीय पुरस्कार दो लाख रुपये की धनराशि राज्यपाल की ओर से दी जाएगी।

आयोजन तकनीकी के क्षेत्र में मील का पत्थर : उनियाल

तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि यह आयोजन तकनीकी के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने इस आयोजन के संबंध में जानकारी दी। दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. पीबी शर्मा, सनपलाक्स टेक्नोलाजी के निदेशक रजत जैन, कुलसचिव सतेंद्र सिंह सहित विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चैटबाट कैटेगरी में जेबीआइटी कालेज विजेता रहा

यूटीयू में आयोजित हैकाथान उत्कर्ष 1.0 में प्रदेश के आठ विवि सहित कुल 25 संस्थानों की 216 टीमों ने प्रतिभाग किया। हैकाथान में भाग ले रहे विद्यार्थियों के नवाचार प्रोजेक्ट्स का राज्यपाल ने अवलोकन किया और उनसे संवाद कर उनके विचारों को सराहा। चैटबाट कैटेगरी में जेबीआइटी कालेज देहरादून की टीम प्रथम, जीबीपीआइईटी पौड़ी द्वितीय व शिवालिक इजीनियरिंग कालेज देहरादून तृतीय स्थान पर रही। डैशबोर्ड विकसित किये जाने की श्रेणी में आइटी गोपेश्वर प्रथम, तुलाज इंस्टीट्यूट देहरादून द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। मोबाइल एप विकसित करने की श्रेणी में विवि की फैकल्टी आफ टेक्नोलाजी प्रथम, रुड़की कालेज आफ इंजीनियरिंग द्वितीय व बीआइएएस भीमताल को तृतीय पुरस्कार दिया गया।